कृषकों को स्वावलम्बी एवं आत्मनिर्भर बनाने हेतु

किसान उत्पादक संगठन (एफ.पी.ओ.)

एवं

स्वयं सहायता समूह

मार्गदर्शिका

2020

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

राजभवन
लखनऊ–226 027

संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत खुशी हुई कि चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर द्वारा 23 दिसम्बर, 2020 को "कृषकों को स्वावलम्बी एवं आत्मनिर्भर बनाने हेतु "किसान उत्पादक संगठन : आवश्यकतायें, अवसर चुनौतियां एवं क्रियान्वयन" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर कृषकों के उपयोगार्थ एक मार्गदर्शिका का प्रकाशन भी किया जायेगा।

किसान हमारे देश की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार है। उत्तर प्रदेश जनसंख्या के दृष्टिकोण से देश का सबसे बड़ा राज्य है। इसलिए उत्तर प्रदेश कृषि क्षेत्र में देश की आर्थिक व्यवस्था का सुदृढ़ करने में प्रमुख भूमिका निभाने की विशाल क्षमता रखता है, जिसमें किसान उत्पादक संगठन एवं स्वयं सहायता समूह अति महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं और किसानों की आय को 2022 तक दुगुनी करने के लक्ष्यों को साकार कर सकते है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई मार्गदर्शिका उत्तर प्रदेश के साथ अन्य प्रदेशों में गठित किसान उत्पादक संगठन एवं स्वयं सहायता समूह, प्रसार कार्यकर्ता एवं कृषि छात्रों, कृषि विकास से जुडे विभागों तथा किसानों के लिए भी लाभकारी सिद्ध होगी।

मैं राष्ट्रीय वेबिनार के सफल आयोजन तथा मार्गदर्शिका के प्रकाशन के लिए अपनी हार्दिक शुभकानाएँ प्रेषित करती हूँ।

आनंदीबेन

(आनंदीबेन पटेल)

नई शिक्षा नीति–2020

कृषि छात्रों हेतु ग्रामीण जागरूकता कार्य अनुभव (रावे) के प्रभावी क्रियान्वयन कौशल हेतु

पांच दिवसीय सी०एस०ए०यू० सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन मॉडयूल

(CSAU PRA Module for RAWE Students)

गाँव को पहचानकर गाँव की आवश्यकताएँ, सम्भावनायें एवं क्रियान्वयन जानकर कृषि शिक्षा को व्यवहारिक एवं व्यवसायिक बनाने हेतु मॉडयूल

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर

कृषको को स्वावलम्बी एवं आत्म निर्भर बनाने हेतु

किसान उत्पादक संगठन (एफ०पी०ओ०)

एवं

स्वयं सहायता समूह **माड्यूल**

अपना विकास अपने हाथ अर्थात् स्वावलम्बी विकास

2020

चन्द्रशेखर आजद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर

अपना विकास अपने हाथ अर्थात् स्वावलम्बी विकास

कृषको की आय दुगनी करने हेतु तकनीक परक माड्यूल

प्रसार निदेशालय

च0शे0आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर

वर्षा आधारित एवं आयपरक स्वावलम्बी कृषि विकास हेतु तकनीकी मॉडल
(जे0एस0मॉडल)

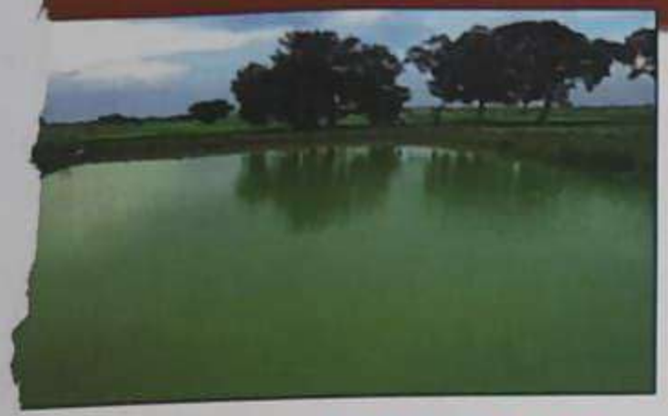

जल संरक्षण प्रबन्धन (मोटी मेड़, छोटे खेत)

बीज खेत तकनीक (खेत जो चाहे वही प्रजाति)

पूंजी स्वावलम्बन (बचत खर्च का सही अनुपात,

नमी संरक्षण (हाथ में खुरपी, कांध कुदाल)

फसल सुरक्षा (खेत, खलिहान, भण्डार कीट मुक्त)

पोषण सुरक्षा (पोषक थाली, स्वास्थ्य आधार)

मृदि स्वास्थ्य संतुलन (खेत चाहे पकी कम्पोस्ट)

पशु प्रबन्धन (कम पालो, उन्नत पालो)

रोपो नीम, पालो गाय
कम लागत, अधिक आय

डा0 जितेन्द्र सिंह
प्रसार निदेशालय
च0शे0 आजाद कृषि एवं प्रौ0वि0वि0,
कानपुर–02
मो0नं0 7839921977, 7318569732

मा0 कुलपति डा0 डी0आर0 सिंह के मार्गदर्शन एवं निर्देशन,
डा0 ए0के0 सिंह, निदेशक प्रसार के कुशल नेतृत्व में
चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर द्वारा
ॉडल गांव में आत्मनिर्भर एवं स्वावलम्बी गाँव की विधायें स्थापित कर

जनपद हेतु माड्यल देने की मुहिम

मॉडल गाँव माड्यूल बन सके कार्य सम्पादन के चरण

चरण-प्रथम — मॉडल गाँव सूचना (पहचान)
Model Gaon Information Phase (MGIP-I)

चरण-द्वितीय — मॉडल गाँव क्रियान्वयन चरण
Model Gaon Implemention Phase (MGIP-II)

चरण-तृतीय — मॉडल गाँव प्रभाव चरण
Model Gaon Impact Phase (MGIP-III)

★ उपरोक्त तीनों चरणों में सहभागी कार्य निष्पादन के बाद उसके प्रभाव (Impact) सुनिश्चित कर
जनपद को एक आम्मनिर्भर एवं स्वावलम्बी गाँव कैसे बने का मॉड्यूल देकर उसके प्रसार हेतु
जनपद को हस्तांतरित करना है, जिसे हम चौथा चरण कहेंगे।

चरण-चतुर्थ — मॉडल गाँव माड्यूल प्रसार चरण
Model Gaon Module Extension Phase (MGIP-IV)

प्रसार निदेशालय
चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर-2